आज का पुरुषार्थ by Suraj Bhai

Date: 9 March 2022 **Website**: www.shivbabas.org

धारणा - *अपने सभी कमजोरियों को बाबा को सौंप कर फिर कभी वापिस नहीं लेना है ... ऐसा सदा दृढ़ रहने का पुरुषार्थ करे*

बाबा हमें सभी को सम्पूर्ण पावन बनाने आया है। और हमारी चित्त की वृत्ति को शुद्ध करने आया है। हमारे संस्कार को उन्हें बिल्कुल सॉफ्ट, पवित्र, सुखदाई, कल्याणकारी बनाना है। तो भिन्न-भिन्न युक्तियाँ बाबा हमें सिखाते है।

बाबा ने सभी विकारों का दान हमसे मांग लिया। व्यर्थ संकल्पों का दान भी हमसे मांग लिया। हम सच्चे मन से अपनी किसी भी बूराई का दान बाबा को कर दे। दृढ़ संकल्प कर ले कि आज से हम यह करेंगे या आज से हम यह नहीं करेंगे।

भगवान को एकबार वचन देकर उसे वापिस नहीं लेंगे। एक शक्तिशाली मनुष्य, एक चरित्रवान मनुष्य ऐसा ही करता है। किसी मनुष्य को भी वचन दे दिया तो वापिस नहीं लेते।

हमारी इतिहास, हमारे कल्चर ऐसे उदाहरणों से भरी पढ़ी है। जो वचन निभाने के खातिर मनुष्य ने अपना सर्वस्व वलिदान कर दिया।

तो हम भगवान को वचन दे दे। और संकल्प कर ले उसको वचन देकर निभाना है। जब मनुष्य को वचन देकर भी मनुष्य सर्वस्व कुरबान कर सकता है। तो क्या भगवान को वचन देकर हम उसे निभाने के लिए अपने स्वार्थ का अपने कमज़ोरियों का वलिदान नहीं कर सकते?

तो दे दे वचन उसको जो हमें सबसे महान बनाने आया है। दूसरी बात दे दे उस बुराई उसको, यह देहभान, मन की चिन्तायें, सारे फ़िक्र, सारे बोझ उसको दे दे। और कोई चीज़ जब दुसरों को दे दी जाती है तो उस पर अपना अधिकार नहीं रहता है।

फिर उन चीजों पर अपना कोई अधिकार नहीं। एकबार देने के बाद फिर उसे ग्रहण करना, स्वीकार करना यह बहुत बड़ा पाप हो जाता है। इससे पुण्य नष्ट होता है।

और फिर भगवान को देकर वापिस लेना यह तो बहुत बड़ी बात है। फिर भगवान कभी हमारी उन चीजों को स्वीकार नहीं करेगा। और हमें सबकुछ देने के लिए तैयार भी नहीं होगा।

तो आईये हम इन दोनों चीजों का प्रयोग करके अपने जीवन को शुद्ध करे। अपने मन को बहुत शक्तिशाली बनाये। हम कमजोर नहीं है। सोचो हम किसके संतान है? भगवान के बच्चे क्या दृढ़ नहीं होंगे?

सर्वशक्तिमान के बच्चों का मनोबल क्या ढीलाढाला होगा? क्या आज कुछ सोच रहे, कल कुछ सोच रहे, आज त्याग कर रहे है, कल वापिस ले रहे है। आज एक प्रतिज्ञा हार-जीत तोड़ डाली। क्या ऐसे कमजोर मनोबल सर्वशक्तिमान के संतान का हो सकता है?

क्या आपका अंतर्मन दृढ़ता पूर्वक रहेगा? कदापि नहीं। हम भगवान के बच्चे है। सर्वशक्तिमान की संतान है। हमें उनकी इन शक्तियों का शो करना है। हम कमजोर नहीं हो सकते। क्या शेर का बच्चा गीदड़ों के डर से

भागेगा? या खड़ा रहेगा, जिसे देखकर हजार गीदड़ भी हो एकसाथ सबके सब पलायन कर जायेंगे।

पहचाने अपने शक्तियों को। और इन शक्तियों का प्रयोग दृढ़ संकल्प के रूप से करे, विशेष रूप से। सबकुछ बाबा को दे दे। तो आज ऐसा एक विज़न बनायेंगे ... कि हम बुराईयों के गठरी बांधकर सूक्ष्मवतन में बाबा के हवाले कर रहे है ....

" लो बाबा .. बस आज से यह सब आपका हुआ .. यह चीजें मेरी नहीं .. इनपर मेरा कोई अधिकार नहीं है .. मैं इनसब से मुक्त हुई "

और फिर बाबा .... मुझें दृष्टि दे रहे है। वरदान दिया ...

" तथास्तु .. ऐसा ही हो .. अब यह सभी तुम्हारी बुराइयाँ मेरे हवाले है .. अब मैं इन्हें जलाकर नष्ट कर डालूंगा .. तुम निश्चिन्त हो जाओ .. पवित्र हो जाओ .. बोझ मुक्त हो जाओ "

आज सारा दिन इसी विज़न को बनायेंगे बार-बार। और बहुत ही सुन्दर अनुभूति करेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org